Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौरः एक प्रेरक शिक्षिका और कर्मठ प्रशासिका

DR. PRIANKA ARORA[1], KULDEEP KAUR[2] & SIRI SIDDARTHA CHATTERJEE[3]

[1]Assistant Professor, Dept. of Music, Guru Nanak DevUniversity, Amritsar
[2]Research Scholar, Dept. of Music, Guru Nanak DevUniversity, Amritsar
[3]Assistant Professor, Dept. of Music, Guru Nanak DevUniversity, Amritsar

सार

संगीत का विशद् आयाम कई ऐसे वैविध्यपूर्ण, गुणी, प्रतिभा-सम्पन्न एवं समर्पित कलानिधियों का कोश है, जिनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व उनकी कला विशेष का ही पर्याय बन जाता है। सुर-साधना के साथ-साथ शिक्षण एवं प्रशासन के कठोर अनुष्ठान में जीवन-पर्यन्त स्वयं को समर्पित कर अपनी प्रतिभा तथा प्रतिबद्धता के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की शिक्षा एवं शोध को उन्नतशील करने वाले कई ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिनका एकमात्र ध्येय अनवरत अपने लक्ष्य की पूर्ति में अग्रसर होता है। जीवन के विशेष मुकाम पर पहुंच कर ऐसे व्यक्तित्व ऐसी गाथा के सूत्रधार बन जाते हैं, जो लक्ष्य संधान के साथ कर्मनिष्ठा एवं कर्मशीलता की शिक्षा देने में सक्षम बन जाते हैं। विद्यार्थी के शैक्षणिक गुणों को परिपूर्ण कर, उसके व्यक्तित्व का विकास करने में शिक्षक की विशिष्ट भूमिका है। किसी सांगीतिक व्यक्तित्व में प्रेरक गुरू, शिक्षक व कर्मठ प्रशासक- दोनों ही गुणों का एक साथ होना, विलक्षणता का सूचक है। अपनी सांगीतिक कला यात्रा में वैशिष्टय पूर्ण अहम भूमिकाओं का निर्वाह करने वाली एक बहुआयामी व्यक्तित्व का नाम हैं प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर। जिन्होंने अपने जीवन की संघर्षमयी परिस्थितियों में भी अभिप्रेत उपलब्धियों को अर्जित किया। वे वास्तव में सराहनीय होने के साथ-साथ प्रेरणामूलक व्यक्तित्व भी हैं। उनका प्रशासनिक रूप जितना कठोर व अनुशासित है, उतना ही वात्सल्यपूर्ण है उनका एक शिक्षिका व शोध निर्देशिका होना।

मुख्य शब्दः प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर, व्यक्तित्व, सितार, शिक्षिका, प्रशासिका।

हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की उन्नतशीलता में महिला वर्ग का अवदान किसी दृष्टि से कम नहीं आंका जा सकता। संगीत के क्रियात्मक एवं सैद्धांतिक पक्ष को विकसित करने में प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर का नाम सदैव अग्रणी रहा है। आपका जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1963 को पंजाब के पटियाला शहर में हुआ। पिता सरदार जोगिन्दर सिंह पंजाब मंडी बोर्ड चण्डीगढ़ में और माता श्रीमती गुरबचन कौर सरकारी स्कूल में अध्यापिका/प्रिंसीपल के रूप में कार्यरत थे। परिवार में आपकी तीन बहनें व एक भाई हैं। ‘‘बचपन में मुझे मौसी द्वारा गुढ़ती ही ऐसी मिली कि जब से होश संभाला तो गाने लगी। गायन के मंचीय कार्यक्रमों में भाग लिया।

स्कूल, कालेज में गायन एवं वादन दोनों विषय लिए। 20 वर्ष की आयु में मेरे कण्ठ की सरजरी होने के पश्चात् मैंने अपनी सारी गायन क्षमताएं एवं शिक्षा वादन में रूपाँतरित कर सुखद अनुभव किया।‘‘[1] डॉ. गुरप्रीत कौर के परिवार में सभी रचनात्मक लेखन में निपुण हैं, आप स्वयं लघु कथाएं, कविताएं आदि लिखने का हुनर रखती हैं। आपने अपने कालेज समय में लेखन की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता की और उत्तीर्ण हुई। इसी साहित्य-प्रेम के फलस्वरूप आपने बी.ए. की डिग्री पंजाबी आनर्स के साथ पूर्ण की। अपने गुरुओं के निर्देश पर स्नातकोत्तर की डिग्री के लिए सितार को चुना और पंजाब विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ‘‘गुरप्रीत कौर में सीखने की ललक बहुत अधिक है। सन् 1982 में जब वे मेरे पास सीखने आई, तो उसकी कला, हुनर, रियाज़ एवं कठिन तपस्या को देखते हुए उसे मैंने सितार की विधिवत शिक्षा देने में प्रसन्नता अनुभव की। गुरप्रीत में सेवा समर्पण बहुत अधिक था। मैनें उसे जो अपने घर रखकर सिखाया, वो उस कला को और भी आगे लेकर गई। उसकी सफलता से मुझे बहुत प्रसन्नता व गर्व होता है।‘‘[2] हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से एम. फिल. और पीएच. डी. की डिग्री आपने प्रो. (डॉ.) इंद्राणी चक्रवर्ती जी के निर्देशन में की। ‘‘गुरप्रीत बहुत ही होनहान और मेधावी छात्रा रही है। मेरे पास वो सन् 1984 में एम.फिल में

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

आई थी। अपने विवाह के बाद नौकरी करते हुए सन् 1993 में उन्होंने डॉ. लाल मणि मिश्र पर पीएच.डी. का शोध कार्य किया, उसे बेहद लगन व परिश्रम से किया और सन् 1994 में इनका वाइवा प्रसिद्ध सितार वादक पंडित पद्म विभूषण देबू चौधुरी जी ने लिया था। वह धुन की बहुत पक्की है। जो काम सोचती है उसे पूरा करके ही दम लेती है। अपने अकादमिक कार्यों से उन्हें बहुत लगाव है। यही उनके व्यकितत्व की मूल विशेषता है।''[3]

संगीत सीखने की अकांक्षा में उन्होंने अपने जीवन के संघर्षों को कभी बाधा नहीं बनने दिया। अपने गुरुओं के प्रति उनमें निश्छल आस्था रही है। इसी आस्था को पूर्ण करने के लिए उन्होंने अपने सभी गुरूओं के सांगीतिक योगदान पर एम.फिल., पीएच. डी. के शोध कार्य भी करवाएं हैं। शोध प्रविधि सीखने में उन्हें प्रो. डॉ. केशव शर्मा जी (शिमला) से आर्शीवाद बहुत मिला।

डॉ. गुरप्रीत कौर की शिक्षण व शोध निर्देशन पद्धति की विशेषताएं

एक योग्य व प्रेरक शिक्षक में जो गुण अनिवार्य है, वे सभी डॉ. गुरप्रीत कौर में हैं। ''भारतीय वाडमय में आचार्य उस शिक्षक को कहा गया है, जिसका आचरण श्रेष्ठ एवं अनुकरणीय हो तथा जो अपने उत्कृष्ट आचरण द्वारा ही शिष्यों का उत्कृष्ट चरित्र निर्माण कर सके।''[4] संगीत की अकादमिक और क्रियात्मक दोनों पक्षों का शिक्षण डॉ. गुरप्रीत कौर ने प्राप्त किया था और पूर्णरूपेण कलाकार बनने की योग्यता भी इनमें निहित है परंतु उन्हें अध्यापन, शोध एवं प्रशासन में अधिक रूचि थी। अपने गुरूओं से संगीत सीखने के साथ-साथ इन्होंने शिक्षिका का दायित्व बाख़ूबी निभाया। इन्हें संगीत अध्यापन का पहला सुअवसर देव समाज कॉलेज फॉर विमेन, सेक्टर 45 चण्डीगढ़ में सन् 1986 में प्राप्त हुआ जहां उन्होंने विभागाध्यक्ष के रूप में दो सैशन 1986-1988 तक सेवा निभाई। इसके पश्चात् गर्वमैंट कालेज, सेक्टर 46 चण्डीगढ़ में प्रवक्ता और संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष के रूप में सन् 1989 से सन् 1996 तक कार्यरत्त रहीं।

एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में गर्वमैंट कॉलेज फॉर गल्र्स, सैक्टर-11 चण्डीगढ़ में सन् 1996-2005 तक कार्य किया। सन् 2005 से सन् 2011 तक मास्टर गुरबन्ता सिंह मेमोरियल जनता कालेज, करतारपुर में प्रिंसीपल के रूप में डैप्रटेशन पर सेवा निभाई और 11 जुलाई, सन् 2011 से गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष पद के रूप में कार्यरत हुई। अपने 36 वर्ष के शिक्षण अनुभव में उन्होंने अपने शिक्षण तथा प्रशासन में अनेकों गुण समाहित किए यथाः विषय में निपुणता, विषय की तकनीकियों को समझाने की कला, विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाना, विद्यार्थियों को स्वर ज्ञान व राग विश्लेषण का ज्ञान देने, अपने शोधर्थियों को आलोचनात्मक शोधपरक दृष्टि से जोड़ना, विभिन्न कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए सदैव प्रेरित करना तथा अपने साथ बाहरी देशों में लेकर जाने का दायित्व निभाना ताकि उनके शोधार्थी जीवन के हर कदम पर परिपूर्ण रहें।

विद्यार्थियों को वे अपनी प्रथम वरीयता समझती हैं। आपके व्यवस्थित मार्गदर्शन का इतना सकारात्मक प्रभाव रहता है कि आपके निर्देशन में आकर हर शोधार्थी पीएच.डी. के प्रथम वर्ष में ही अपने कार्य में लग जाता है और मात्र 3-4 वर्ष में ही शोध कार्य का समापन कर देता है। ''अपने विद्यार्थियों के लिए वो नए-नए अवसर की तलाश में रहती हैं। कई बार शोध की प्रक्रिया में कई शोधार्थी हतोत्साहित भी हो जाते हैं तब उन्हें पुनः प्रेरित करना और अपनी क्षमता व प्रतिभा के प्रति जागरूक रखना प्रो. गुरप्रीत का प्रमुख मिशन होता है। वे अपने विद्यार्थियों को सफल और उत्साही देखना पसंद करती हैं। लगातार परिश्रम करते हुए जो सफलता उन्होंने पाई है, उसे वे अपने विद्यार्थियों में भी देखने की अभिलाषी रहती है।''[5] इनके बहुत से विद्यार्थी आज शिक्षक एवं कुछ उत्कृष्ट कलाकारों के रूप में उच्च पदों पर आसीन है।

शोध निर्देशिका के रूप में डॉ. गुरप्रीत कौर का रूप मानो ज्ञान की प्रचुर धरोहर को आगे बढ़ाना है। उनकी निर्देशन प्रणाली विलक्षण एवं प्रभावी है। इनके सफल निर्देशन में 16 पीएच.डी., 77 एम. फिल तथा 97 के लगभग PG Projects सम्मानित हो चुके हैं। उनकी अब तक 13 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है तथा कुछ प्रकाशानाधीन है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगीत के

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

विभिन्न विषयों में उन्होंने आमंत्रित व्याख्यान दिए हैं और भारत, कनाडा, लंदन (यूके) एवं थाईलैंड में आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 50 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए हैं।

"She is very perfect in her work. She always share a great knowledge and skills of teaching. Her way of working is very unique and dynamic."[6] प्रो. डॉ. गुरप्रीत कौर का एकमात्र मकसद अपने विद्यार्थियों को केवल कोर्स की किताबों अथवा सिलेबस तक सीमित रखना नहीं है। वे किताबी ज्ञान के साथ-साथ उन्हें प्रतिभा तथा प्रतिबद्धता के साथ जोडने का सफल प्रयास करती हैं। वे नए-नए विचारों की अगाधता के प्रमाण स्वरूप शोधार्थियों को नवाचार अनुसंधान के साथ जोडती है। कभी-कभी विद्यार्थियों/शोधार्थियों को अनुशासन की शिक्षा देती हुई कठोरता को भी अपनाती हैं, जिससे उनका एक मात्र उद्देश्य शोधार्थियों को सही दिशा से जोड़ना होता है। ''मैडम का अपने विद्यार्थियों से बिल्कुल अपने बच्चों जैसा लगाव है। वे केवल सैशन तक ही उन्हें नहीं संभालती, बल्कि विश्वविद्यालय की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद भी उनके कैरियर के प्रति पूर्णातः सजग रहती हैं।''[7] ''वे एक प्रेरक शिक्षिका हैं, वहीं मानवीय गुणों से परिपूर्ण हैं। अपने विद्या◌ार्थियों की हर प्रकार की मदद के लिए वे सदैव तैयार रहती हैं।''[8]

"She is a dynamic multifaceted personality, a devoted teacher-research guide, reputed scholar, able administrator and above all a wonderful human being. As an able administrator she has played a vital role in the over all development and growth of the students. Our department got new big building and new sound studio only because of her hard efforts. She always teaches traditional compositions in class to her students. As a Research Guide, she is very focused and does not compromise with the quality of research."[9] ''डॉ. गुरप्रीत कौर प्रभावशाली, ऊर्जावान व सशक्त व्यक्तित्व की धनी है। वे हर समय अपने बच्चों को उत्साहित व प्रेरित रखती हैं। वे ज्ञान और प्रेरणा का अद्भुत स्रोत हैं।''[10] ''मैडम अपने से जुड़े हर शख्स को बेहतरीन से बेहतर बनाने के लिए वचनबद्ध शख्सियत हैं। उनका मिज़ाज़ सख्त परंतु आत्मा वात्सल्य से भरपूर है। दूसरों से कार्य करवाने का उनमें विशेष गुण है और सकारात्मक सोच की तरंगें उनके मन रूपी सागर में निरन्तर दौड़ती रहती हैं, किन्तु अभिमान से वे कोसों दूर है। रिश्तों में विश्वास अर्जित करने की कला और सहजता उनमें अनुपम है। उनसे जुड़ने वाला हर विद्यार्थी स्वंय को स्वतंत्र और सुरक्षित महसूस करते हैं।''[11]

''पीएच. डी. के शोधार्थियों को शोध के विभिन्न सोपानों की जानकारी देने में उन्हें सफलता हासिल है। यही कारण है कि आपकी कक्षा में विद्यार्थियों की हाज़री पूरी रहती है। वे बिना किसी डर के अपनी समस्याओं का उनसे निवारण करते है। शोधार्थियों की मुश्किलों को सहजता से हल करने की कला डॉ. गुरप्रीत कौर में विद्यमान है। शोध के विषय में इनका ज्ञान अथाह समुंदर की भांति है। शोध से संबंधित कोई भी प्रश्न हो, वे अपने अनुभव से बिना किसी पुस्तक के उसे हल कर देती है।''[12] "She is very energetic, she has complete knowledge of her field. Her speciality is that she builds affinity with others very quickly."[13]

डॉ. गुरप्रीत कौर को हिन्दुस्तानी संगीत की तीनों विधाओं (गायन, वादन एवं नृत्य) में अथाह रूचि है। वे कक्षा में रागों का क्रियात्मक स्वरूप एवं तुलनात्मक अध्ययन स्वयं गा के सिखाती है। उनके पास विभिन्न घरानों की शास्त्रीय रागों की टकसाली बंदिशों का अनमोल भंडार है। विद्यार्थियों को राग प्रारंभ कराने से पहले वे उस राग में दो अथवा तीन बंदिशें पहले गाती है, जिससे वे राग के स्वरूप से परिचित हो जाएं। विद्यार्थियों द्वारा बंदिश चयन करने के पश्चात् ही वे बंदिश सिखाना प्रारंभ करती है। बिना किसी डायिरी के अपनी बंदिशें को सांझा करती है तथा फिर उसके विस्तार का ढ़ंग भी समझाती है। यह ज्ञान ऐसा होता है जो बस

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

आत्मा तक उतर जाता है, कोई रट्टा आदि लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। ''डॉ. गुरप्रीत कौर बहुत परिश्रमी शिक्षिका हैं। वे सुबह चार बजे से पहले जाग जाती हैं। शोध सम्बन्धी अध्ययन, अन्वेषण कार्य, गृह विनिमय-प्रशासनिक विचार, पारिवारिक उत्तरदायित्वों को पूर्ण कर दिन भर विभाग एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन के कार्यों में लगी रहती हैं। आश्चर्य की बात है कि कभी थकती नहीं हैं।''[14] "I feel so lucky to have a Guide like her finding the just-right- challenge between pushing me to be better, encouraging me, and inspiring me as future .she is such a amazing guide."[15]

''उनकी पैनी नजर का कोई जवाब नहीं है। विद्यार्थी के अंदर छिपे हुनर को उभारना और कलाकार की कला की तारीफ करना, मतलब उन्हें भविष्य के लिए सफलता की मार्ग पर प्रोत्साहित करना और प्रेरित करना उनकी विलक्षणता है। वे अपने विद्यार्थियों के लिए संजीवनी का स्रोत है।'[16] Constant guidance and professional attitude is always appreciable in completing life tasks. I express my deep gratitude to her for her support, appreciation, encouragement, and keen interest in my academic achievements. She is a perfect administrator, able teacher, great Guru, and moreover a life coach. She always motivated me to do something innovative. Her passion is fabulous. She is an enlightening personality for many students and upcoming researchers. Her way of working is wonderful which always encourage us to work like her."[17] "Her positive reinforcement encourages us to continue performing in diverse fields. This can lead to improved productivity, higher quality work, and better results. She creates a positive work environment where everybody feels valued and respected. She is able to lead as team leader with high morale, and a positive culture overall."[18] "Gurpreet Mam Has played A vital And constructive role in shaping our minds and guiding us on the path to success."[19]

वे विद्यार्थियों की हरमन प्रिय शिक्षिका हैं। विभाग में संगीतमयी माहौल बनाना, विद्यार्थियों के लिए भविष्य में नवीन मार्ग उपलब्ध कराना उनका मिशन रहा है। वे एक सफल शिक्षिका है। शिक्षिका के रुप में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि उनके शोधार्थी व विद्यार्थी हैं, वे कहती है कि उन्हेनें 'जीवन में बस यही धन कमाया है। यही उनकी पूंजी व धरोहर है कि उनके छात्र उनके सदैव आस-पास रहतें हैं और कठिन समय में भी कभी भागते नहीं हैं।'

एक कर्मठ प्रशासिका के रूप में

किसी भी व्यक्तित्व में एक प्रेरक शिक्षक के साथ-साथ कर्मठ प्रशासक होने के गुण अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है जो डॉ. गुरप्रीत कौर ने बाखुबी निभाई है। गुरू नानक देव विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में अनुशासन को बनाए रखने में उनकी अहिम भूमिका रही है। "An Administrator is a person whose job involves helping to organize and supervise the way that an organization or institution functions"[20] डॉ. गुरप्रीत कौर ने इन दोनों दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाहन किया है। इसलिए वे एक सफल शिक्षिका भी है। उनके व्यक्तित्व में दृढ़ संकल्पशक्ति, समर्पण और अथक परिश्रम का अदभुत समन्वय उन्हें सबसे अलग करता है। बचपन से ही सबसे श्रेष्ठ रहने की सोच ने उन्हें सभी कार्यों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की, परिश्रम करने और स्वावलम्बी बनने की एक ऊंची विचारधारा की अधिकारिणी बनाया। ''प्रो (डॉ.) गुरप्रीत कौर का व्यक्तित्व आकाश की तरह विशाल और समुद्र की भांति गहरा है। वे बहुत आत्मविश्वासी और अपनी ज़िम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान हैं और प्रत्येक कठिनतम कार्य को भी बड़ी निडरता से करती हैं। यह उनकी विशेष क्षमता उन्हें समाज में सम्मानित करती है। वे अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार और एक नेक इंसान भी हैं।''[21] आप NAAC Peer Team की सदस्य, मेंबर कोर्डिनेट और चेयरपर्सन के रूप में

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

13 विश्वविद्यालयों और कालेजों में इनसपैक्शन कर चुकी हैं। आप 50 के करीब व्यवसायिक संस्थाओं की निकायों में सदस्य हैं। उनके नाम विविध लोक सेवा आयोग की चयन समितियों में शुमार है।

वे यू.जी.सी. नई दिल्ली, NAAC- Banglore, SENATE and SYNDICATE (Executive) की सदस्य, चेयर पर्सन, डीन फैकिल्टी आफ विज़ूअल एंड परफार्मिंग आर्ट्स, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की डीन फैकिल्टी आफ डिजाईन एंड फाईन आर्ट्स, डारेकटर लाईफ लान्ग लर्निंग विभाग भी बनी। आपको कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) व हिमाचल प्रदेश, विश्वविद्यालय, शिमला, इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ) इत्यादि विश्वविद्यालयों के संगीत विभागों विजिटिंग फेलो नियुक्ति किया गया। उनके जीवन में कुछ समय ऐसा भी आया है, जब उनके विश्वविद्यालय के कुछ निजी मतभेद व विवादों के चलते उन्हें विभागाध्यक्ष एवं डीन कला संकाय के पद छोड़ने पड़े और विश्वविद्यालय के विरूद्ध कोर्ट कचहरी में भी जाना पड़ा परन्तु उस संघर्ष का भी उन्होंने अपनी निर्भयता, ईमानदारी एवं आत्म-विश्वास से सामना किया जिसमें उनके विद्यार्थी उनके साथ डटकर खडे और प्रोफेसर के पद पर रहते हुए अपनी पूर्ण कार्य क्षमता का आज भी उत्तम परिचय दे रहीं हैं।

“She weaves her way through challenges faced, With grace and poise, she leaves no trace.”[22] आपके जीवन में आए संघर्ष एवं कठिनाइयों ने ईश्वर पर आपकी आस्था को और भी दृढ़ कर दिया। वे कला और कलाकारों की बेहद कदरदान हैं। उन्होंने विभग में उत्कृष्ट कलाकारों व शिक्षकों को लाने में खूब सराहना अर्जित की और शास्त्रीय संगीत से संबंधित अनेक कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ कलाकारों को आमंत्ररित किया। संगीत के अतिरिक्त 100 से अधिक फैशन/सार्वजनिक कार्यक्रमों का निर्देशन और आयोजन किया। “Dr. Gurpreet is very dedicated towards her work and appreciates the artists and more than that she has a sense of art. She wants to do a lot for the Artists.”[23] डॉ. गुरप्रीत ने स्वयं को अध्यापन और प्रशासनिक कार्यों तक ही सीमित नहीं रखा बल्कि और भी विविध क्षेत्रों में उनकी दिलचस्पी है, जिसमें क्रिएटिव राइटिंग, कोरियोग्राफी, क्रिएटिव डिज़ायनिंग, ज्योतिष शास्त्र, अंक शास्त्र, म्यूज़िक थेरपिस्ट, वास्तु शस्त्र, मनोविज्ञान आदि।

एम.जीएसएम जनता कॉलेज करतारपुर के प्राचार्य के रूप में (2005 से 2011) उनकी उपलब्धियां अनेक हैं। यहां सन् 2005 में उन्होंने पद ग्रहण करने के पश्चात् कई विषयों में नए पीजी पाठ्यक्रम का प्रारंभ किया। नवीन पीजी, यूजी ब्लॉक, कन्या छात्रावास, समिति कक्ष, संगोष्ठी कक्ष, अत्याधुनिक अधोसंरचना युक्त कम्प्यूटर लैब, खेलकूद जिम, प्रधान निवास एवं महाविद्यालय अतिथि गृह का निर्माण, परफॉर्मिंग आर्ट्स ब्लॉक, प्रिंसिपल कक्ष और एडमिनिस्टटिव ब्लाक का पूर्ण नवीनीकरण किया और कॉलेज के छात्रों की सुविधा हेतु दो बसों की सुविधाएं प्रदान की। उनके आने से छात्र संख्या, शिक्षण कार्यभार और बजट में लगातार वृद्धि हुई।

डीन के रूप में, (डिजाइन और ललित कला संकाय, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ) (2009 से 2012) तक उन्होंने विभाग के सभी पाठ्यक्रमों को अद्यतन और पुनः डिजाइन, संगीत विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय को अलग ब्लॉक के निर्माण के लिए एक विशाल भूमि ग्रांट, संगीत विभाग को सभी आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने, संगीत, ललित कला और रंगमंच विभाग में शोध की गुणवत्ता को मजबूत करने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह किया।

विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग और दृश्य कला और प्रदर्शन कला संकाय के डीन के रूप में (जुलाई 2011 से 18 जनवरी, 2018) तक के कार्यकाल में उन्होंने संगीत कक्षों का नवीनीकरण और नया स्वरूप, बजट में वृद्धि, 2015 में MPA (मास्टर्स इन परफॉर्मिंग आर्ट्स) का प्रारंभ, 2017 में प्रदर्शनकारी कलाओं को मजबूत करने के लिए वार्षिक संगीत समारोह का परिचय, दृश्य और प्रदर्शन

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

कलाओं में तीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित (2011, 2012, 2015), एमएसयू बड़ौदा (2015) और कनाडा विश्वविद्यालय (2012) के साथ संस्कृति विनिमय कार्यक्रम, नए म्यूजिक एल्बम के निर्माण के लिए नए साउंड स्टूडियो का निर्माण आदि कार्य किए और छात्र संख्या और शिक्षण कार्यभार बढ़ाने में अपनी कला का परिचय दिया।

सन् 2013 से 2017 तक आजीवन शिक्षा विभाग Department of Life Long Learning, Guru Nanak Dev University, Amritsar के निदेशक के रूप में उन्होंने 30 अभिनव लघु अवधि/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करना, अवसंरचनात्मक नवीनीकरण को मजबूत करना, छात्र संख्या में वृद्धि और आय में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण वेतन बजट कर्मचारियों को दोगुना और सामान्य विभाग के बजट को बढ़ाकर घाटे से अधिशेष में स्थानांतरित करना, नवोदित कलाकारों के समग्र व्यक्तित्व विकास और कौशल को बढ़ावा देने के लिए 18 अल्पावधि/मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम आयोजित करना, नियमित अंतराल पर 20 से अधिक सार्वजनिक प्रदर्शनियों, फैशन शो और रचनात्मक कार्यशालाओं का आयोजन करना, सेंट्रल जेल, अमृतसर की महिला कैदियों के माध्यम से जन जागरूकता के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम चलाना, शुल्क संग्रह प्रणाली का डिजिटलीकरण (2015), 2017 में वार्षिक न्यूजलेटर का प्रकाशन शुरू किया गया, जब जीएनडीयू की एनएएसी पीयर टीम की रिपोर्ट में रचनात्मक गतिविधियों और समाज के उपक्रमों की सेवा दर्ज की गई और उनकी सराहना की गई तो लाइफलॉन्ग लर्निंग विभाग ने एक नई ऊंचाई को छुआ। 2014 में बेस्ट प्रैक्टिसेज के तहत यूनिवर्सिटी की सिंडिकेट में भी विभाग का नाम दर्ज किया गया।

इसके अतिरिक्त डिपार्टमेंट लाइफलॉन्ग लर्निंग में 20 दिनों के अल्पावधि पाठ्यक्रमों के निदेशक के रूप में- योग और एरोबिक्स (जून 21, 2015), संगीत और नृत्य (जून 23, 2015), बेसिक हेयर ड्रेसिंग और मेक अप (जनवरी 28, 2016), बुटीक प्रशिक्षण, (जनवरी 28, 2016), गृह प्रबंधन, (फरवरी 8, 2016), संगीत और नृत्य (फरवरी 8, 2016), पर्सनल ग्रूमिंग, (मार्च 16, 2016), बेसिक हेयर ड्रेसिंग और मेक अप, (जून 16 2016), योग और एरोबिक्स, (जून 21, 2016), फोटोग्राफी, (अक्टूबर 5, 2016), स्पा थेरेपी और त्वचा उपचार, (अक्टूबर 10, 2016), कोरल ड्रा, (जनवरी 3, 2017), व्यक्तित्व विकास, (जनवरी 16, 2017), बुटीक प्रशिक्षण, (फरवरी 8, 2017), फैब्रिक पेंटिंग, (फरवरी 8, 2017), पेशेवर श्रृंगार कलात्मकता, (फरवरी 27, 2017), संचार कौशल, नृत्य और संगीत, (फरवरी 27, 2017) में इनोवेटिव कोर्स संपन्न किए। आज कल वे 'विश्व पंजाबी सभा, कनाडा' तथा शिव कुमार पर चल रही 'अजुबा' परियोजना (USA) ''बटालवी सुर सागर'' (USA) की मुख्य सलाहकार के रूप में आनेरेरी बाख़ूबी कार्य निभा रही हैं।

शिखर/सम्मान

डॉ. गुरप्रीत कौर के व्यक्तित्व में जितनी विशिष्टताएं दृष्टिगोचर होती हैं, उतनी ही वैविध्यपूर्ण उनके जीवन की सांगीतिक एवं अकादमिक उपलब्धियां भी हैं। एक शिक्षक, संगीतकार, निर्देशक, रचनात्मक लेखक, प्रशासक और शिक्षाविद के रूप में निरन्तर योगदान के प्रतिफलन में आपने 32 सम्मान (राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय) प्राप्त किए हैं, यथाः Thai Asia Iconic Dynamic Adminstrator Award, Thailand, 2023; Super Woman Achiever Award, Malaysia, 2023, An International award, Jagat Punjabi Sabha Canada, 2020, Life time achievement Award 2020, Guru Daronacharya Award 2019, Kala Ratan Award 2019, Mohamad Rafi Award 2019, Shiv Kumar Batalavi Memorial Award, Landon 2019,Creative excellence Award 2018, Best Teacher Award 2011, Master Gurbanta singh Honesty Award for crisis Management 2011, Multi-Faceted and versatile Principal 2010, MostInnovative Pricipal 2009, A Principal with vision and mission 2008, Pride of

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

college 2007, Dynamic Principal Award 2006. अनीश भनोट (2013) द्वारा लिखित पुस्तक 'चंडीगढ़ एंड इट्स लीडिंग पर्सनैलिटी' में उनकी जीवनी और उपलब्धि को शामिल किया गया है। शोधार्थी कृष्ण सिंह (2019) द्वारा 'भारतीय संगीत शास्त्र में पंजाब की महिला विदूषियों का योगदान' शीर्षक से एम.फिल के लधु शोध प्रबंध को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में 2020 में सम्मानित किया गया है। शोधार्थी हरमीत सिंह (2023) द्वारा "Role of north Indian Universities in the progression and dissemination of music education and research: documentation and analysis" पीएच. डी. शोध प्रबंध को गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर को सन् 2023 में सम्मानित किया गया, जिसमें उनके शैक्षणिक और प्रशासनिक योगदान को कुछ पृष्ठों में शामिल किया गया है। भुपिंदर सिंह (2023) द्वारा "Contribution of Prof. (Dr.) Gurpreet Kaur in the Progression of Hindustani Classical Music Education and Research" पी. जी. परियोजना के अंतगर्त उनके शैक्षणिक और प्रशासनिक योगदान रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है। महान इनोवेटर सरदार बलजीत सिंह (USA) ने एक कविता प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर के एक प्रेरक शिक्षिका एवं कर्मठ प्रशासिका के रूप को समर्पित की है:-

"Education management, her wisdom profound,
Nurturing minds, ensuring knowledge abounds.
A teacher, a mentor, guiding the way,
Empowering students to seize the day.
A beacon of inspiration, a guiding light,
Her legacy shines with brilliance and might.
As a professor of music, she continues to shine,
Guiding students with melodies divine.
University administration, she treads the path,
Contributing to institutions with unwavering faith.
Dr. Gurpreet Kaur, a shining star,
With talents that stretch afar.
In the realm of music, she finds her grace,
Teaching Melodies, embracing every trace."[24]

निष्कर्ष

प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर के व्यक्तित्व में एक बहुमुखी व बहुआयामी व्यक्तित्व के दर्शन परिलक्षित होते है। उनके जैसी बहुमुखी प्रतिभा अपने जीवन में विविध उपलब्धियों को प्राप्त करके वरेण्यता की कोटि में तो आती हैं, साथ ही ऐसे व्यक्तित्व समाज और संस्था से जुड़ कर नवीन पीढ़ी के लिए भी उत्तम सिद्ध होते हैं। उनका लक्ष्य स्वयं का परिष्कार करने के साथ-साथ उन प्रतिभाओं को निखारना भी होता है, जो आगे चल कर एक क्षेत्र विशेष में कार्यरत होकर अपना योगदान देंगे। यद्यपि दिसंबर 2023 को वे अपनी ज़िंदगी के दस दशक (60 वर्ष) पूर्ण करके गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर से सेवा निवृत हो रही हैं। उनकी कार्यात्मक क्षमता सकारात्मक दूरदर्शिता, आत्म विश्वास, दृढ़ संकल्प और सबसे उपर एक ईमानदार छवि उन्हें शीघ्र समाज में एक उच्चतम प्रतिष्ठा दिलाने में सक्षम होंगे- ऐसा हमारा विश्वास है।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

सन्दर्भ सूची

1. प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
2. कुमारी चंद्रकांता खोसला से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
3. प्रो. (डॉ.) इन्द्राणी चक्रवर्ती से की गई फोनवार्त से प्राप्त सूचना
4. श्रीमती डॉ. अर्चना दीक्षित, विविध विषय विदूषी प्रो. प्रेमलता शर्मा- व्यक्तित्व एवं कृतित्व, पृष्ठ संख्या-42
5. शोधार्थी कृष्ण सिंह से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
6. डॉ. स्वरलता से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
7. डॉ. कुलदीप संधू से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
8. शोधार्थी अमन सूफ़ी से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
9. डॉ. सुमित सिंह से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
10. डॉ. अंशुमती से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
11. शोधार्थी राजवीर जन्नत से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
12. शोधार्थी कृष्ण सिंह से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
13. रविंद्र नाथ चैटर्जी से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
14. डॉ. मोनिका से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
15. डॉ. रमनदीप कौर से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
16. डॉ. बाल कृष्ण से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
17. डॉ. हरमीत सिंह से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
18. शोधार्थी अमन कौर से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
19. विद्यार्थी गायन महाजन से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
20. https://www.collinsdictionary.com/dictionary/english/administrator
21. डॉ. सर्वजीत कौर से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
22. सरदार बलजीत सिंह (USA) से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
23. पंडित विप्लव भट्टाचार्य से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
24. सरदार बलजीत सिंह (USA) से की गई फोनवार्ता से प्राप्त सूचना